Sl.No. :

नामांक **Roll No.**

No. of Questions – 19

No. of Printed Pages – 7

VU–01–Hindi (C)

वरिष्ठ उपाध्याय परीक्षा, 2024

VARISHTHA UPADHYAYA EXAMINATION, 2024

हिंदी (अनिवार्य)

समय : 3 **घण्टे** 15 **मिनिट**

पूर्णांक : 80

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :

1) परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न–पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें ।

2) **सभी** प्रश्न हल करने अनिवार्य हैं ।

3) प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर–पुस्तिका में ही लिखें ।

4) जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड हैं, उन सभी के उत्तर एक साथ ही लिखें।

5) प्रश्न का उत्तर लिखने से पूर्व प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।

यहाँ से काटिए

प्रश्न पत्र को खोलने के लिए यहाँ फाड़ें

यहाँ से काटिए

खण्ड – अ

प्र.1) निम्नलिखित बहुचयनात्मक प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखिए – **[12]**

i) ‘अपने साथियों के प्रति श्रद्धा व सम्मान का भाव हो।’ निम्नलिखित में से किस शासन पद्धति को लेखक ने आवश्यक बताया है – **[1]**

अ) जीवन को   ब) लोकतंत्र को
स) व्यवहार को   द) परिवार को

ii) निम्न में से किस पेड़ के फल इतने मजबूत होते हैं कि नए फूलों के निकल आने पर भी अपना स्थान नहीं छोड़ते हैं – **[1]**

अ) शिरीष   ब) अशोक
स) अरिष्ट   द) पुन्नाग

iii) ‘बाणभट्ट की आत्मकथा’ उपन्यास के लेखक हैं – **[1]**

अ) कबीर   ब) फणीश्वर नाथ रेणु
स) धर्मवीर भारती   द) हजारी प्रसाद द्विवेदी

iv) ‘खेत में पैदा होने वाला अन्न कुछ समय पश्चात् समाप्त हो जाता है, किन्तु निम्नलिखित में से जो रस कवि के अनुसार कभी चुकता नहीं है’ – **[1]**

अ) भोज्य रस   ब) अनुभव रस
स) साहित्य रस   द) ओज रस

v) किस शायर की भाषा और प्रसंग सूरदास के वात्सल्य वर्णन की सादगी को याद दिलाते हैं – **[1]**

अ) फ़िराक गोरखपुरी   ब) दुष्यन्त कुमार
स) शमशेर बहादुर सिंह   द) कुँवर नारायण

vi) कवि गोस्वामी तुलसीदास के हृदय में निम्नलिखित में से किस समय करुण रस के बीच वीर रस के उदय के रुप की अनुभूति प्रदर्शित होती है – **[1]**

अ) राम का वनवास जाना।   ब) कुंभकरण का बिलख पड़ना।
स) जगदम्बा की लीला दिखना।   द) हनुमान का संजीवनी लेकर आ जाना।

vii) निम्नलिखित में से भाषा का सीमित, अविकसित तथा आम बोलचाल वाला रूप कहलाता है – **[1]**

अ) भाषा   ब) लिखित भाषा
स) बोली   द) खड़ी बोली

viii) 'Vigilance' शब्द का सही अर्थ है – **[1]**

अ) संयुक्त   ब) शपथ
स) संविभाग   द) सतर्कता

ix) मुद्रित माध्यमों में सबसे बड़ी शक्ति यह है कि छपे हुए शब्दों में निम्नलिखित गुण होता है – **[1]**
अ) स्फूर्तता ब) असुरक्षा
स) स्थायित्व द) बाध्यता

x) रेडियो पत्रकारों को निम्नलिखित में से किसका पूरा ध्यान रखना होता है – **[1]**
अ) अपने पाठकों का ब) अपने श्रोताओं का
स) अपने दर्शकों का द) अपनी शुरुआत का

xi) निम्नलिखित में से जो आत्मकथात्मक उपन्यास गाथा निश्चय ही किशोर होते विद्यार्थियों के लिए हम कदम बन सकती है – **[1]**
अ) जुलूस ब) सिल्वर वैडिंग
स) अतीत में दबे पाँव द) जूझ

xii) निम्नलिखित में से 'दबे स्वर में किसने पूछा', ''मेहमान गए?'' **[1]**
अ) बीवी बच्चों ने ब) यशोधर बाबू की पत्नी ने
स) यशोधर बाबू ने द) रिश्तेदार ने

प्र.2) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए – **[6]**

i) मौखिक भाषा को लिखित रुप के लिए लेखन चिह्नों का प्रयोग किया जाता है उसे .... कहते है। **[1]**

ii) 'दक्षता' के लिए सही अंग्रेजी शब्द .... है। **[1]**

iii) 'नक्षत्र' हवा से बातें कर रहा है। वाक्य में .... शब्द शक्ति है। **[1]**

iv) जब शब्दार्थ की व्यंजना अर्थ पर निर्भर होती है। उसका पर्याय रख देने पर भी अभीष्ट की पूर्ति हो जाती है, वहाँ .... शब्द शक्ति होती है। **[1]**

v) जहाँ वास्तविक विरोध न होते हुए भी विरोध का आभास हो, वहाँ .... अलंकार होता है। **[1]**

vi) 'भगवान भागें दुःख जनता देश की फूले – फले ।' इस पंक्ति में निहित .... अलंकार है। **[1]**

प्र.3) निम्नलिखित अपठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए सभी प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखिए – **[6]**

व्यक्ति को अपने जीवन में नाना प्रकार के लक्ष्य निर्धारित करने की अपेक्षा किसी एक उत्तम लक्ष्य को ही निश्चित करना चाहिए । जो व्यक्ति कई उद्देश्यों की पूर्ति का ख्वाब छोड़कर अर्जुन की तरह एक ही लक्ष्य को चिड़िया की आँख मानकर उस पर अपना सारा ध्यान केन्द्रित करता है, निश्चय ही सफलता उसके चरणों को चूमती है। एक ही साथ दो घोड़ों पर सवार होने वाले का फिसलकर नीचे गिरना निश्चित है। किसी पेड़ के तने, डालियों, पत्तों फूलों की अलग–अलग सेवा करने वाले को फलों से वंचित ही रहना पड़ेगा जबकि वह यदि मूल (जड़) को ही सींचे तो उसे फल की प्राप्ति होनी ही है। अतः व्यक्ति को एक ही उद्देश्य की प्राप्ति हेतु प्रयत्न करना चाहिए ।

i) व्यक्ति को अपने जीवन में सफल होने के लिए क्या निश्चित करना चाहिए? **[1]**

ii) 'नयन' शब्द का पर्यायवाची शब्द गद्यांश में से छाँटकर लिखिए । **[1]**

iii) फल की प्राप्ति किसको सींचने से होती है। **[1]**

iv) इस गद्यांश से छाँटकर 'उपेक्षा' शब्द का विपरीतार्थ लिखिए। **[1]**

v) 'चिड़िया की आँख' में निहित प्रतीकात्मक अर्थ को लिखिए। **[1]**

vi) उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए। **[1]**

प्र.4) निम्नलिखित अपठित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर सभी प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखिए – **[6]**

अपने नहीं अभाव मिटा पाया जीवन भर,
पर औरों के सभी अभाव मिटा सकता हूँ।
तूफानों – भूचालों की भयप्रद छाया में,
मैं ही एक अकेला हूँ जो गा सकता हूँ।
मेरे 'मैं' की संज्ञा भी इतनी व्यापक है,
इसमें मुझसे अगणित प्राणी आ जाते हैं।
मुझको अपने पर अदम्य विश्वास रहा है।
मैं खण्डहर को फिर से महल बना सकता हूँ।
जब–जब भी मैंने खण्डहर आबाद किए हैं,
प्रलय–मेघ भूचाल देख मुझकों शरमाए।
मैं मजदूर मुझे देवों की बस्ती से क्या
अगणित बार धरा पर मैंने स्वर्ग बनाए।

i) कवि ने किसके अभाव मिटाने की बात कही है? **[1]**

ii) जीवन में कवि ने खण्डहर से महल बनाने हेतु किसकी आवश्यकता पर बल दिया है? **[1]**

iii) अदम्य व्यक्ति को देखकर कौन–कौन शर्माते हैं? **[1]**

iv) जीवन में सुधार हेतु किसका महत्त्व अधिक बताया है? **[1]**

v) कवि ने अपने आप को क्या मानकर धरती पर स्वर्ग बनाने की बात कही है? **[1]**

vi) 'बादल' का पर्याय पद्यांश से छाँट कर लिखिए। **[1]**

खण्ड – ब

निम्नलिखित लघुत्तरात्मक प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए –

प्र.5) पत्रकार कितने प्रकार के होते हैं, प्रकार लिखते हुए उनकी परिभाषा दीजिए । **[2]**

प्र.6) लेखक ने महामारी की रात्रि में विभीषिका को ललकारकर चुनौती देने वाली शक्ति को ढोलक के माध्यम से किस प्रकार वर्णित किया है? **[2]**

प्र.7) 'बादल राग' कविता में क्रांति आकांक्षी वंचितों के प्रतिनिधित्व की अनुगूँज को स्पष्ट कीजिए । **[2]**

प्र.8) सिन्धु सभ्यता में आकार की भव्यता के स्थान पर कला की भव्यता दिखाई देती है। पाठ के आधार पर लिखिए । **[2]**

प्र.9) 'जूझ' कहानी के लेखक के अनुसार दादा के जीवन शैली की दिनचर्या के बारे लिखिए । **[2]**

खण्ड – स

प्रश्न संख्या 10 से 13 के उत्तर 60 से 80 शब्दों में लिखिए एवं 14 व 15 के उत्तर लगभग 100 शब्दों में लिखिए –

प्र.10) 'नील जल में या किसी की गौर झिलमिल देह जैसे हिल रही हो' । 'उषा' कविता के आधार पर इस पंक्ति को स्पष्ट कीजिए । **[3]**

अथवा

'किसी की पीड़ा को बहुत बड़े दर्शक वर्ग तक पहुँचाने वाले व्यक्ति उस पीड़ा के प्रति स्वयं संवेदनशील हो जाते हैं।' इस कथन में प्रकट वर्तमान युग की विडंबना को कविता के संदर्भ में समझाइये ।

प्र.11) ''हम इन्हें पानी नहीं देंगे तो इन्द्र भगवान हमें पानी कैसे देंगे?'' लेखक के इस कथन के आधार पर हमारे सांस्कृतिक विश्वास के समर्थन में अपने विचार स्पष्ट कीजिए । **[3]**

अथवा

'माल बिछा रहता है, और उसका मन अडिग रहता है।' इस कथन के आधार पर लेखक के बाज़ारवाद की भावना को लिखिए ।

प्र.12) ''मिक्चर मत पिलाइए गुरुदेव । चाय–मट्ठी–लड्डू बस इतना ही सौदा है।'' इस कथन के आधार पर कहानी के पात्र यशोधर बाबू की भीतरी मन की सहानुभूति के सम्बन्ध में नई पीढ़ी के संदेश को लिखिए । **[3]**

अथवा

'भैंस चराते–चराते मैं फ़सलों पर, जंगली फूलों पर तुकबंदी करने लगा।' कविता रच लेने के आत्मविश्वास को लेखक की धारणा के आधार पर लिखिए ।

प्र.13) ''मुअनजो–दड़ो ताम्र काल के शहरों में सबसे बड़ा है।'' इस कथन में सभ्यता और संस्कृति में वर्तमान धड़कती जिन्दगियों के प्रति पुरातात्विक जानकारी को पाठ के आधार पर लिखिए। **[3]**

अथवा

'आधुनिक किस्म के अजनबी लोगों की भीड़ को देखकर यशोधर बाबू अँधेरे में ही दुबके रहे।' वर्तमान में आए परिवर्तन से हाशिए पर धकेले जाते मानवीय मूल्यों की मूल संवेदना कहानी के आधार पर लिखिए।

प्र.14) 'संपादकीय लेखन' में दायित्व किस पर निर्भर होता है? कोई एक उदाहरण लिखिए। **[3]**

अथवा

विशेष लेखन के क्षेत्र खेलों के बारे में पत्र–पत्रिका में लिखने वालों को किन–किन बातों की जानकारी होनी चाहिए, विस्तारपूर्वक समझाइए।

प्र.15) 'आलोक धन्वा' का कवि परिचय लिखिए। **[4]**

अथवा

फणीश्वर नाथ रेणु का लेखक परिचय लिखिए।

खण्ड – द

प्र.16) निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या लिखिए – **[6]**

मैं जला हृदय में अग्नि, दहा करता हूँ,
सुख–दुःख दोनों में मग्न रहा करता हूँ,
जग भव–सागर तरने को नाव बनाए,
मैं भव मौजों पर मस्त बहा करता हूँ!
मैं यौवन का उन्माद लिए फिरता हूँ,
उन्मादों में अवसाद लिए फिरता हूँ,
जो मुझको बाहर हँसा, रुलाती भीतर,
मैं, हाय, किसी की याद लिए फिरता हूँ!

अथवा

ऊपर से ठीक ठाक
पर अंदर से
न तो उसमें कसाव था
न ताकत!
बात ने, जो एक शरारती बच्चे की तरह
मुझसे खेल रही थी
मुझे पसीना पोंछते देख कर पूछा –
''क्या तुमने भाषा को
सहूलियत से बरतना कभी नहीं सीखा?''

प्र.17) निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या लिखिए – **[6]**

यह मैंने भक्तिन के प्रस्ताव को अवकाश न देने के लिए कहा था; पर उसके परिणाम ने मुझे विस्मित कर दिया । भक्तिन ने परम रहस्य का उद्घाटन करने की मुद्रा बनाकर और पोपला मुँह मेरे कान के पास लाकर हौले–हौले बताया कि उसके पास पाँच बीसी और पाँच रुपया गड़ा रखा है। उसी से वह सब प्रबंध कर लेगी। फिर लड़ाई तो कुछ अमरौती खाकर आई नहीं हैं। जब सब ठीक हो जाएगा, तब यहीं लौट आएँगे। भक्तिन की कंजूसी के प्राण पूंजीभूत होते – होते पर्वताकार बन चुके थे; परन्तु इस उदारता के डाइनामाइट ने क्षण भर में उन्हे उड़ा दिया।

अथवा

पर एक बात देखी है कि अगर तीस–चालीस मन गेहूँ उगाना है तो किसान पाँच–छह सेर अच्छा गेहूँ अपने पास से लेकर ज़मीन में क्यारियाँ बनाकर फेंक देता है। उसे बुवाई कहते हैं। यह जो सूखे हम अपने घर का पानी इन पर फेंकते हैं वह भी बुवाई है। यह पानी गली में बोएँगे तो सारे शहर, कस्बा, गाँव पर पानीवाले बादलों की फसल आ जायेगी । हम बीज बनाकर पानी देते हैं फिर काले मेघा से पानी माँगते हैं। सब ऋषि–मुनि कह गए हैं कि पहले खुद दो तब देवता तुम्हे चौगुना–अठगुना करके लौटाएँगे भइया, यह तो हर आदमी का आचरण है, जिससे सबका आचरण बनता है।

प्र.18) कर्मचारी चयन बोर्ड, दिल्ली में विभिन्न पदों पर आवेदन आमंत्रित करने हेतु समाचार पत्र में प्रकाशनार्थ निर्धारित प्रारुप में एक विज्ञप्ति लिखिए । **[4]**

अथवा

अबस विद्यालय रामपुर में स्काउटिंग प्रवृत्ति विकसित करने हेतु आवश्यक सामग्री क्रय करने हेतु 'निविदा' लिखिए ।

प्र.19) निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर सारगर्भित निबंध लिखिए । (शब्द सीमा 300 शब्द) **[5]**

(1) मेक इन इंडिया अभियान

(2) बेटी बचाओं, बेटी पढ़ाओं

(3) विद्यार्थी जीवन में अनुशासन की महत्ता

(4) पर्वतीय क्षेत्र की मेरी यात्रा

* * *

DO NOT WRITE ANYTHING HERE